



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ४०४] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, नवम्बर २९, १९७३/अग्रहायण ८, १८९५

No. 404] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 29, 1973/AGRAHAYANA 8, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

### ORDER

New Delhi, the 29th November 1973

S.O. 718(E)/IDRA/18G/73.—WHEREAS it appears to the Central Government that it is necessary so to do for securing the availability at fair prices of certain tyres and tubes;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 18G of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following Order, namely:—

1. Short title, extent and commencement.—(1) This Order may be called the Tyres and Tubes (Price Control) Order, 1973.

(2) It extends to the whole of India

(3) It shall come into force at once.

2. Definitions.—In this Order, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951);

(b) "manufacturer" means a person engaged in the manufacture of any of the following articles relating to heading No. 30 of the First Schedule to the Act, namely:—

(i) truck tyres and tubes;

(ii) rear tractor tyres and tubes;

(iii) off-the-road tyres and tubes;

3. **Control of price.**—No manufacturer shall, after the commencement of this Order, himself or by any person on his behalf, sell or offer to sell or otherwise transfer or dispose of any tyre or tube to which this Order relates for a price exceeding the price in force on the 20th day of November, 1973.

4. **Manufacturer to furnish returns or other information.**—Every manufacturer shall furnish such returns and other information, in such form and within such period, as may be required by the Central Government.

[No. 16(70)/71-LI(II)/L.R.G.]

R. V. RAMAN, Secy.

### औद्योगिक विकास मंत्रालय

#### आदेश

नई दिल्ली, 29 नवम्बर, 1973

का० प्रा० 718(अ)/आई डी आर ए/18छ/73.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि कुछ टायरों और ट्यूबों की उचित कीमतों पर उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए ऐसा करना आवश्यक है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 छ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित आदेश देती है, अर्थात्:—

1. **संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ.**—(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम टायर और ट्यूब (कीमत नियंत्रण) आदेश, 1973 है।

(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण भारत पर है।

(3) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2. **परिभाषाएं.**—इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) अभिप्रेत है;

(ख) “विनिर्माता” से वह व्यक्ति अभिप्रेत है, जो अधिनियम की प्रथम अनुसूची के शीर्षक सं० 30 के अन्तर्गत निम्नलिखित किसी वस्तु के विनिर्माण में लगा हुआ है।

(1) ट्रक टायर और ट्यूब

(2) ट्रैक्टर के पिछले टायर और ट्यूब

(3) टायर ट्यूब सड़क से अतिरिक्त प्रयुक्त होने वाले (ग्राफ दी रोड)

3. **कीमत-नियन्त्रण.**—कोई भी विनिर्माता, इस आदेश के प्रारम्भ होने के पश्चात् स्वयं या उसकी ओर से कोई व्यक्ति, उस कीमत से अधिक कीमत पर जो 1973 के नवम्बर के 20 वें दिन की प्रवृत्त थी, किसी टायर या ट्यूब जिससे सम्बन्धित है का विक्रय नहीं करेगा या विक्रय करने के लिए प्रस्थापना नहीं करेगा या अन्यथा अन्तरित या व्ययनित नहीं करेगा।

4. **विनिर्माता द्वारा विवरणों या अन्य जानकारी देना.**—प्रत्येक विनिर्माता ऐसी विवरणी और अन्य जानकारी, ऐसे प्रारूप में और ऐसी अवधि के भीतर देगा, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा अपेक्षित हो।

[सं० 16(70)/71-एल०आई०(II)/एल आर जी]

आर० बी० रामन, सचिव।

